आरती श्रीमद्भागवत पुराणजी की

आरती अति पावन पुराण की ।
धर्म भक्ति विज्ञान खान की ।
महा पुराण भागवत निर्मल ।
शुख-मुख-विगलित निगम कल्प कल ।
परमानन्द सुधा-रसमय फल ।
लीला रति यह रस निधान की ।
कलिमल-मथनि त्रिताप निवारिणी ।
जन्म-मृत्यु भव-भय हारिणी ।
सेवत-संत सकल सुख कारिणी ।
महौषधि हरि-चरित्र गान की ।
विषय विलास विमोह विनाशिनी ।
विमल विराग विवेक विकासिनी ।
भगवत-तत्व-रहस्य - विकासिनी ।
परम ज्योति परमात्म ज्ञान की ।
परमहंस-मुनि मन उल्लासिनी ।
रसिक हृदय रस रास -विलासिनी ।
भुक्ति-मुक्ति -रति-प्रेम सुदासिनी ।
कथा अकिंचन-प्रिय सुजान की ।

विवरण

जो धर्म, भक्ति एवं विशेष ज्ञान का भंडार है, ऐसे बड़े पवित्र पुराण की आरती है । तोते के मुख के समान शिथिल एवं स्वच्छ विधि-विधान के व्यापार के जैसा सुख-चैन देने वाला ये महापुराण है ।

यह महापुराण अमृत के समान परम आनन्द देनेवाला तथा भगवान के प्रेम लीला का आधार है । ये महापुराण सभी पापों का नाश करके एवं उनसे छुटकारा दिलाकर जन्म-मरण के भय को हरने वाला है ।

यह महापुराण सभी प्रकार के सुखों को देनेवाला है, संत जन इनकी सेवा (पाठ) करते हैं । यह भगवान के चरित्र के गान की बहुत बड़ी दवा है । यह महापुराण बुरे हाव-भाव एवं अज्ञानता का विनाश करने वाला है, एवं पवित्रता, वैराग्य एवं सच्चे ज्ञान को विकसित करने वाला है ।

इस श्रीमद्भगवद् पुराण के अध्ययन से, प्रभु महिमा के तत्व ज्ञान के जो इसमें रहस्य छुपे हैं, उनका ज्ञान मिलता है तथा आत्मा -परमात्मा के रहस्य को जानने की ये परम ज्योति है ।

यह महापुराण परमहंस मुनि के मन को उल्लसित करने वाला है तथा प्रभु को जो चाहनेवाला है उनके हृदय को आनन्द देने वाला ये महापुराण है । यह महापुराण मोक्ष, सौभाग्य, एवं प्रेम रूपी आहर को देनेवाला है, हम अकिंचन (जिसके पास कुछ भी नहीं है) प्रभु के इसी गाथा को गाते हैं ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.